संपादकीय

विषमता में जकड़ा देश

भारत में अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ती ही जा रही है और सरकार इस असमानता को दूर करने की दिशा में कोई कदम भी नहीं उठा पा रही। गैर-सरकारी संगठन ऑक्सफैम और डिवेलपमेंट फाइनेंस इंटरनेशनल द्वारा इस संबंध में तैयार वैश्विक सूचकांक भारत सरकार की नीतियों और हाल की विकास प्रि या को कठघरे में खड़ा करता है। इस सूचकांक में सामाजिक खर्च, कर ढांचा और श्रमिकों के अधिकार संबंधी नीतियों के आधार पर 157 देशों की रैंकिंग की गई है, जिसमें डेनमार्क सबसे कम विषमता के साथ शीर्ष पर है, जबकि भारत का मुकाम 147वां यानी लगभग तली में है। मंगलवार को जारी इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण कोरिया, नामीबिया और उरुग्वे जैसे देश असमानता दूर करने के लिए ठोस कदम उठा रहे हैं लेकिन भारत और नाइजीरिया जैसे देशों का प्रदर्शन इस मामले में काफी खराब है।

सूचकांक में 56 वें पायदान पर स्थित दक्षिण कोरिया के प्रयासों को रिपोर्ट में खास तौर से रेखांकित किया गया है, जिसने पिछले कुछ वर्षों में सामाजिक विकास के कई कार्य म चलाए और श्रमिकों के अधिकार सुनिश्चित किए। राष्ट्रपति मून जे-इन ने नाटकीय तरीके से न्यूनतम मजदूरी 16.4 प्रतिशत बढ़ा दी। उन्होंने बड़ी कंपनियों और सुपर रिच वर्ग पर भारी टैक्स लगाए और उससे मिले पैसों को कमजोर वर्ग के विकास में लगाया। भारत में उदारीकरण और भूमंडलीकरण ने विकास प्रि या को गति तो दी, लेकिन इसका लाभ उसी वर्ग को मिला जो पहले से समृद्ध था। सबसे बड़ी बात यह हुई कि नई व्यवस्था में सरकार का रोल सीमित हो गया। लिहाजा राजनीति का ध्यान भी गरीबों के पक्ष में नीतियां बनाने के बजाय उन्हें भरमाने पर केंद्रित हो गया है। मनरेगा जैसी कुछ गरीब समर्थक नीतियां बनीं भी तो उनका जोर कमजोर वर्ग को उत्पादन प्रि या का हिस्सा बनाने के बजाय उन्हें किसी तरह जीवित रखने पर रहा।

मतलब यह कि गरीबों की दशा कुछ सुधरी जरूर पर इसमें कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। यह बदलाव तभी संभव था जब गरीबों को मुख्यधारा में आने का मौका मिलता। यह तभी संभव था जब वे शिक्षित होते। लेकिन निजीकरण के बाद शिक्षा इतनी महंगी हो गई है कि गरीब तबकों की पहुंच इसके हाशिये तक भी नहीं हो पा रही है। सरकारों की रुचि अपने शिक्षा तंत्र को उन्नत बनाने में बिल्कुल नहीं है। कमजोर वर्ग के बच्चे किसी तरह सरकारी स्कूलों में पहुंच भी जाएं तो गरीबी के च से निकलने में इस पढ़ाई की कोई भूमिका नहीं बन पाती। आर्थिक असमानता के चलते आज हर जगह आ ोश देखा जा रहा है, जिसकी अभिव्यक्ति अराजकता और हिंसक प्रदर्शनों में हो रही है। इस सूचकांक को एक चेतावनी की तरह लेना चाहिए, क्योंकि असमानता अंततः विकास को विस्फोटक बना सकती है।

पीएम मोदी कर रहे हैं हाई लेवल मीटिंग, क्या कम होंगी पेट्रोल-डीजल की कीमतें

नई दिल्ली। देश में दिनोंदिन बढ़ रही पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर सरकार गंभीर नजर आने लगी है. शुक्रवार को तेल क्षेत्र और बढ़ती तेल कीमतों पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री कार्यालय में अहम बैठक चल रही है. इस बैठक में पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और वित्त मंत्री अरुण जेटली भी मौजूद हैं. बैठक में कुछ और मंत्री और अधिकारी भी शामिल हैं.माना जा रहा है कि इस बैठक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रहे कच्चे तेलों के दामों पर भी चर्चा होगी. जानकारों का कहना है कि इस बैठक के बाद देश में बढ़ रही तेल कीमतों से संबंध में सरकार अहम घोषणाएं कर सकती है. इसमें पेट्रोल और डीजल के दामों को कम करने संबंधी योजनाएं भी पेश हो सकती है.

सब्सिडी व्यवस्था लौटने की चिंता खारिज

बता दें कि इससे पहले वित्त मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने ईंधन पर सब्सिडी व्यवस्था फिर से लौटने की चिंता को खारिज किया है. अधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों से केवल एक बार के लिए पेट्रोल-डीजल पर एक रुपये लीटर कटौती वहन करने के लिए कहा गया है, आगे और कटौती के लिये कहने का कोई इरादा नहीं है. अधिकारी ने कहा कि तेल कंपनियां के लिए विपणन आजादी बनी रहेगी और ओएनजीसी जैसी तेल खोज एवं उत्पादक कंपनियों से ईंधन सब्सिडी बोझ वहन करने के लिये नहीं कहा जाएगा.

पिछले सप्ताह 2.50 रुपये तक कम हुए दाम

पिछले सप्ताह सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 1.50 रुपये लीटर की कटौती की और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों से दोनों ईंधन पर एक रुपये लीटर की कटौती करने के लिए कहा. इस तरह 5 अक्टूबर से तेल की कीमत में कुल 2.50 रुपये लीटर की कटौती की गई. लेकिन अगले दिन से दाम में बढ़ोतरी से कटौती का असर ज्यादा नहीं रह नहीं पाया. इससे इस बात की आशंका जताई जा रही है कि सरकार फिर से तेल विपणन कंपनियों को ईंधन के दाम कम करने के लिए कह सकती है.

आज पेट्रोल और डीजल के दाम

पेट्रोल और डीजल के दामों में शुक्रवार का फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है. शुक्रवार को दिल्ली में पेट्रोल की कीमतों में 12 पैसे की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसके बाद इसकी कीमत 82.48 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है, जबकि डीजल की कीमतों में 28 पैसों की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे इसकी कीमत 74.90 पैसे प्रति लीटर पर पहुंच गई है. वहीं, मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दामों में 12 पैसे और 29 पैसों की बढ़ोतरी हुई है. जिसके बाद मुंबई में पेट्रोल की कीमतें 87.94 प्रति लीटर और डीजल की कीमत 78.51 प्रति लीटर पर पहुंच गई है.

त्योहारों से पहले देश में गहरा सकता है बिजली संकट, पावर प्लांट्स में कोयले की किल्लत

नई दिल्ली (आरएनएस)। श्राद्ध पक्ष समाप्त होने के बाद नवरात्र शुरू हो गए हैं। नवरात्रों के शुरू होते ही बाजार में त्योहारों को लेकर खरीदारी शुरू हो गई है। खरीदारी के बीच कारोबारियों व आम जनता के लिए बुरी खबर है। खबर ये है कि देश में बिजली संकट गहरा सकता है। बिजली संकट गहराने का कारण देश के 122 पावर प्लांट्स में कोयले की भारी कमी होना है। सरकार को उम्मीद थी कि बारिश से समस्या हल हो जाएगी लेकिन समस्या जस की तस है।

3 अक्टूबर को 10 थर्मल पावर प्लांट ऐसे थे जहां कोयले का कोई स्टॉक नहीं बचा था। कोयला सचिव के मुताबिक 46 पावर प्लांट ऐसे थे जिनके पास सिर्फ 1 से 3 दिनों के लिए कोयले का स्टॉक था। 20 पावर प्लांट के पास 6 दिनों तक के कोयले का स्टॉक पाया गया। देश में कोयले की कमी की समस्या के चलते पावर कंपनियों को इस साल अगस्त में पिछले साल के मुकाबले 26 प्रतिशत ज्यादा कोयला इंपोर्ट करना पड़ा।

मानव पूंजी सूचकांक में भारत को मिला 115 वां स्थान- रिपोर्ट

नई दिल्ली। विश्व बैंक की ओर से मानव पूंजी सूचकांक की रिपोर्ट को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि बच्चों के जीवित रहने की संभावना, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे पैमाने में भारत कुल 157 देशों की सूची में 115वें स्थान पर है। रिपोर्ट में भारत को नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों से भी नीचे रखा गया है। विश्वबैंक की इस रिपोर्ट को गुरुवार को भारत ने खारिज कर दिया है। भारत की ओर से कहा गया है कि इस रिपोर्ट में मानव पूंजी के लिए विकास के लिए सरकार ने जो कदम उठाए हैं उन्हें शामिल नहीं किया गया है।

अहम प्रयासों को नहीं किया गया शामिल

वित्त मंत्रालय की ओर से विश्वबैंक की रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा गया है कि भारत सरकार ने मानव सूची सूचकांक की रिपोर्ट को खारिज करने का फैसला लिया है क्योंकि इसमे मानव पूंजी को बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अहम प्रयासों को नजरअंदाज किया गया है।

गूगल ने गूगल+ को बंद करने का लिया फैसला, जाने कारण

नई दिल्ली। गूगल ने अपने सोशल नेटवर्क गूगल+ (गूगल प्लस) को बंद करने का फैसला किया है। गूगल ने ये फैसला एक बग के चलते करीब पांच लाख यूजर्स के डेटा में सेंध की आशंका के चलते लिया है। बताया जा रहा है कि यह बग सिस्टम में दो साल से मौजूद था और बाहरी डेवलपर्स के चलते आया। गूगल के प्रोजेक्ट स्टोब द्वारा पाए गए विश्लेषण के अनुसार गूगल प्लस को बंद करने के पीछे का कारण यह है कि गूगल अपने प्रोडक्ट को सफलतापूर्वक बढ़ा नहीं पाया। इसमें यूजर्स के नाम व इमेल एड्रेस समेत कई निजी जानकारी लीक होने की खबर मिली थी।

आज का राशिफल

मेष- आज आप सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में लोगों की प्रशंसा प्राप्त कर सकेंगे। लक्ष्मीजी की कृपा रहेगी। सगे-संबंधियों के आने से संतोष का अनुभव होगा।

वृषभ- शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके सारे निर्धारित कार्य समय से पूरे होंगे। बीमार व्यक्ति आज स्वास्थ्य में सुधार का अनुभव करेंगे।

मिथुन- नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए अनुकूल दिन नहीं हैं। जीवनसाथी और संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चर्चा, वाद-विवाद के दौरान मानहानि न हो, इसका ध्यान रखें।

कर्क- आज आनंद और स्फूर्ति का अभाव हो सकता है। मन में विक्षिप्त बनी रह सकती हैं। सीने में दर्द या अन्य किसी कारण से तकलीफ भी हो सकता है।

सिंह- मित्रों एवं परिवार वालों के साथ पर्यटन या प्रवास के अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक लाभ मिलेगा। प्रिय व्यक्ति से मुलाकात होगी आनंदित रहेगा। भाग्यवृद्धि का प्रबल योग हैं।

कन्या- परिजनों के आने से परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। आज आपकी मधुरवाणी का जादू अन्य लोगों को प्रभावित करेगा। यात्रा की संभवना बन सकती हैं।

तुला- आज आपकी रचनात्मक क्षमता निखरकर बाहर आएगी। वैचारिक वृद्धता से आपके कार्य सफल बनेंगे। अलंकार, वस्त्र, मौजशौक के साधन तथा मनोरंजन के पीछे आज पैसे खर्च करेंगे। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृश्चिक- आज दिन के समय आमोद-प्रमोद तथा मनोरंजन के पीछे पैसे खर्च करेंगे। मानसिक चिंता और शारीरिक तकलीफों से परेशानी हो सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए लाभदायक होगा। गृहस्थजीवन में सुख-शांति रहेगी। प्रिय व्यक्ति के साथ का मिलन यादगार रहेगा। प्रेम के सुखद क्षण का आनंद ले सकेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे। उत्तम भोजन की प्राप्ति होगी।

मकर- व्यवसाय के क्षेत्र में धन, मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार हेतु भागदौड़ और वस्तुओं हेतु प्रवास से लाभ होने की संभावना रहेगी। अधिकारी को खुश रखिए, पदोन्नति के संयोग बन सकते हैं।

कुंभ- आज काम करने का उत्साह कम रहेगा। नौकरी में अधिकारियों से संभलकर रहने में ही भलाई है। मौज-शौक तथा घूमने-फिरने के पीछे धन खर्च होगा। संतान के सम्बंध में चिंता रहेगी। विवेक से अच्छे समाधान मिलेंगे।

मीन- आकस्मिक धनलाभ के योग हैं। मानसिक तथा शारीरिक श्रम के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। सर्दी, सांस की तकलीफ, खाँसी और पेट दर्द होने की संभावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च में वृद्धि होगी।

वेस्टइंडीज ने टॉस जीता, भारत की पहले गेंदबाजी

हैदराबाद। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा और आखिरी टेस्ट मैच हैदराबाद के राजीव गांधी

इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जा रहा है. वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है और भारत को गेंदबाजी दी है. टीम इंडिया की तरफ से शार्दुल ठाकुर अपना टेस्ट डेब्यू करेंगे. शार्दुल ठाकुर को मोहम्मद शमी की जगह शामिल किया गया है. राजकोट टेस्ट में एकतरफा प्रदर्शन कर तीन दिन में मैच जीतने वाली भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है. इसमें कोई शक नहीं है कि टेस्ट की नंबर-1 टीम इस मैच में भी अपनी बादशाहत जारी रखना चाहेगी.

वर्ल्ड कप तक विकेट के पीछे धोनी की बादशाहत पर मुहर

नई दिल्ली। विश्व कप तक महेंद्र सिंह धोनी विकेटकीपर

के तौर पर पहली पसंद बने रहेंगे, लेकिन मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने संकेत दिए कि ऋषभ पंत भविष्य की योजना हैं. विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पहली बार भारतीय वनडे टीम में चुना गया है. राष्ट्रीय चयन समिति ने भविष्य की योजना बनाते हुए उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों के लिए टीम में शामिल किया. पंत ने अपने पिछले दो टेस्ट मैचों में 114 और 92 रन की पारी खेली थी, उन्होंने सफेद गेंद के अपने प्रदर्शन के बूते टीम मेंविकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के कवर पर शामिल किए गए दिनेश कार्तिक की जगह ली.

सिंह पर सवार कल्याणकारी देवी और मां दुर्गा की तीसरी शक्ति चंद्रघंटा की पावन कथा

पिण्डजप्रवरारूढा चण्डकोपास्त्रकेर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं चंद्रघण्टेति विश्रुता॥

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति हैं चंद्रघंटा। नवरात्रि में तीसरे दिन इसी देवी की पूजा-आराधना की जाती है। देवी का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इसीलिए कहा जाता है कि हमें निरंतर उनके पवित्र विग्रह को ध्यान में रखकर साधना करना चाहिए।

उनका ध्यान हमारे इहलोक और परलोक दोनों के लिए कल्याणकारी और सद्गति देने वाला है। इस देवी

के मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्र है। इसीलिए इस देवी को चंद्रघंटा कहा गया है। इनके शरीर का रंग सोने के समान बहुत चमकीला है। इस देवी के दस हाथ हैं। वे खड्ग और अन्य अस्त्र-शस्त्र से विभूषित हैं। सिंह पर सवार इस देवी की मुद्रा युद्ध के लिए उद्धत रहने की है। इसके घंटे सी भयानक ध्वनि से अत्याचारी दानव-दैत्य और राक्षस कांपते रहते हैं। नवरात्रि में तीसरे दिन इसी देवी की पूजा का महत्व है। इस देवी की कृपा से साधक को अलौकिक वस्तुओं के दर्शन होते हैं। दिव्य सुगंधियों का अनुभव होता है और कई तरह की ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं। इन क्षणों में साधक को बहुत सावधान रहना चाहिए।

समा के चावल की खिचड़ी व्रत में भी रखेंगी आपको हेल्दी

तिथि : चावल को पानी में भिगो दें. अब एक फ्राई पैन में तेल डालें। जब तेल गर्म हो जाए, तब इसमें काजू, मूंगफली डालकर हल्का सा भून लें और अलग रख दें। अब बचे हुए तेल में जीरा डालें।जब जीरा चटकने लगे तब इसमें आलू और गाजर डालकर 2-3 मिनट तक चलाते हुए पका लें।अब इसमें बींस और मटर डालें और अच्छे से मिक्स करें और1/4 कप पानी डालकर सब्जियों को नरम होने तक पका लें। अब चावल को पानी से निकाल लें और सब्जियों में हरी मिर्च, धनिया पाउडर, मूंगफली, नमक, चावल और पानी डालकर धीमी आंच पर ढककर 4-5 मिनट तक पका लें। भुने हुए काजू से गार्निश करें और सर्व करें।

सामग्री : समा का चावल- 3/4 कप, आलू-1 (छोटे टुकड़ों में कटा), बींस-1/4 कप (बारीक कटी), गाजर- 1/4 कप (बारीक कटी), मटर- 1/4 कप, काजू- 6-7, मूंगफली- 1 बड़ा टीस्पून, हरी मिर्च- 1-2 बारीक कटी, धनिया पाउडर- 1 टीस्पून, जीरा-1 टीस्पून, घी- 2 टीस्पून, पानी- डेढ़ कप, सेंधा नमक- स्वादानुसार

शब्द सामर्थ्य-57

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शकर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, मुखबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सवेरा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 56 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		ध	प	ध	पा	ना	
य	र	का	नी		भ		र	ग्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

सू-दोकू-57

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 56 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
	1	8	9	3	6	7	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7